

## बालमन को आकर्षित करती कविताएं

कृति : नीला आसमान (बाल कविता संग्रह)

कृतिकार : वंदना यादव

प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

प्रकाशन वर्ष : 2022 (प्रथम संस्करण)

मूल्य : 250/-

समीक्षक : शिव मोहन यादव



शिव मोहन यादव  
कानपुर देहात (उ. प्र.)

साहित्यकार, मोटिवेशनल स्पीकर, एंकर और समाज सेविका वंदना यादव की नई बाल पुस्तक “नीला आसमान” हम सबके सामने आ चुकी है। अद्विक पब्लिकेशन से प्रकाशित उनकी यह पुस्तक बाल मन को आकर्षित करने वाली है। ग्लौसी पेपर पर शानदार प्रिंटिंग और सम्मोहित कर लेने वाले रंगीन चित्र अचानक अपनी और खींच लेते हैं। 40 पेज की इस नन्हीं पुस्तक में 36 बाल कविताएं हैं। यह नन्हीं कविताएं बाल मन को प्रेरित और दिनचर्या संबंधी महत्वपूर्ण संदेश देती हुई नजर आती हैं। इन सभी कविताओं में विभिन्न जानकारीयों मनोरंजन और नैतिक शिक्षा के संदेश समाहित हैं।

लेखिका वंदना यादव ने पुस्तक की भूमिका में लिखा है कि बचपन मासूम होता है और बालक अपने आसपास की हर गतिविधि को कौतूहल से देखता है। बाल मन की जिज्ञासा हर चीज को समझना चाहती है। ऐसी ही कुछ चीजों को उन्होंने किताब के माध्यम से बच्चों को समझाने की कोशिश की है।

पहली कविता “देश हमारा” के जरिए उन्होंने ऊंचे हिमालय, अरावली चोटी, नदियाँ, जंगल, पर्वत, सैनिक आदि सभी के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है-

“हम सब इस मिट्टी के बालक, हमें देश पर मान है।

हम सेनानी भारत मां के, भारत की पहचान हैं।

दूसरी कविता “हिमालय” में उन्होंने उसकी विशेषता, वहां के बर्फीले पहाड़, वहां से निकलने वाली नदियों और उसकी विशालता के संबंध में समझाया है। “सड़क” कविता के जरिए

उन्होंने कुछ यातायात नियम बताने की भी कोशिश की है। इसी प्रकार तितली, मछली, कोयल, मोर, गुलाब, वसंत आदि विषयों पर भी रोचक कविताएं हैं। “हरी सब्जियां” कविता में उन्होंने सब्जियों की महत्ता बताई है।

“नीला आसमान” कविता में उन्होंने लिखा है -

“दिन में गगन सुहाना  
लगता, सूरज के उजास में!

छटा रात की मन हर लेती,

तारों के संग-साथ में।”

इसी तरह उन्होंने मोबाइल, ईबुक और कंप्यूटर कविताओं के माध्यम से बच्चों को आधुनिक समय से जोड़ने का प्रयास किया है। जीवन मंत्र कविता में उन्होंने कुछ नैतिक बातें भी बताई हैं। अंतिम कविता “व्यायाम का महत्व” बच्चों को प्रेरित करने की पूरी कोशिश करेगी, ऐसा विश्वास है।

